



Literacy for a Billion

Movie: Mere Jeevan Saathi

Year: 1972

Song: Kitne Sapne Kitne Armaan

Lyricist: Majrooh Sultanpuri

आ हा याहू
कितने सपने कितने अरमाँ
लाया हूँ मैं देखो ना देखो ना
ए ए ए...
मेरा दिल भी एक महफ़ील है
तुम भी कभी आओ ना बैठो ना

तुमसे मिलके यूँ तो महक रहा हूँ
फिर भी मैं अकेला बहक रहा हूँ
तुमसे मिलके यूँ तो महक रहा हूँ
फिर भी मैं अकेला बहक रहा हूँ
मेरी अँधेरी है तन्हाइयाँ
कोई दीया तुम जला दो ना
हे... कितने सपने कितने अरमाँ
लाया हूँ मैं देखो ना देखो ना

हर तरफ़ जहाँ भी पलक़ थमी है
प्यार की जहाँ में बहोत कमी है
हर तरफ़ जहाँ भी पलक़ थमी है
प्यार की जहाँ में बहोत कमी है

बेरंग है ये मेरे रात दिन
तुम रंग कोई मिला दो ना
हे... कितने सपने कितने अरमाँ
लाया हूँ मैं देखो ना देखो ना

कोई मुझ में देखें तो क्या नहीं है
हाँ वो ग़म में भीगी सदा नहीं है
कोई मुझ में देखें तो क्या नहीं है
हाँ वो ग़म में भीगी सदा नहीं है
मेरे तरानों में पड़ जाए जान
तुम कोई धड़कन जगा दो ना
हे... कितने सपने कितने अरमाँ
लाया हूँ मैं देखो ना देखो ना
ए ए ए...
मेरा दिल भी एक महफ़ील है
तुम भी कभी आओ ना बैठो ना
आओ ना बैठो ना

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.